॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥

॥ श्री गौतमस्वामिने नमः ॥ ॥ श्री दादागुरुदेवाय नमः ॥

The Joint Collaboration of
Jain Deemed-To-Be University, Bengaluru
& Vichakshan Jain Vidyapeeth, Raipur

Brings

6 Monthly Certificate Courses
on
Complete Life Management

सम्पूर्ण जीवन प्रबन्धन

समग्र, संतुलित व सुव्यवस्थित
जीवन विकास के लिए

- पावन प्रेरणा एवं मार्गदर्शन -

प. पू. अध्यात्मयोगी श्री महेन्द्रसागर जी म.सा.
प. पू. युवामनीषी श्री मनीषसागर जी म.सा. आदि एवं
प. पू. मरुधर ज्योति साध्वीवर्या
श्री मणिप्रभा श्रीजी म.सा. आदि।

शिक्षा के क्षेत्र में एक अद्वितीय पहल...

JAIN (Deemed-to-be University)
Bengaluru, Karnataka.

- देश-विदेश की अनेक सफल हस्तियों के अध्ययन का श्रेष्ठ स्थान।
- राष्ट्र की अनेक संस्थाओं से उच्च ग्रेडिंग प्राप्त :
  - A++ (3.7/4 CGPA), NAAC द्वारा
  - 79th Rank in India, NIRF द्वारा
  - देश-विदेश की कई ख्याति प्राप्त शोध-संस्थाओ से tie-up
  - AAAA+, Career 360 द्वारा
  - युवा विश्वविद्यालय की श्रेणी में 5 स्टार

Vichakshan Jain Vidyapeeth
Raipur, Chhattisgarh.

शिक्षा, सेवा एवं साधना की त्रिवेणी, जिसका निर्माण इस पावन संकल्प के साथ किया गया है कि अंतरंग एवं बहिरंग जीवन का समग्र, संतुलित व सर्वांगीण विकास हो सके।

गतिविधियाँ

- आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित एवं संस्कारवर्धन हेतु पूर्ण समर्पित, A day cum Residential CBSE English Medium School, के माध्यम से बच्चें पाते है :
  - बौद्धिक एवं नैतिक विकास में संतुलन,
  - सैद्धान्तिक एवं तार्किक व्यवहार में समन्वय,
  - स्वहित एवं समाजहित में सामंजस्य,
  - मूल्यवर्धन शिक्षा एवं आत्मानुशासन का विकास एवं
  - उद्यमी कौशल का विकास।
- विविध शिविर, कार्यशाला (Workshop), गोष्ठी (Conference) आदि के माध्यम से युवाओं में सही सोच एवं समझ का विकास।
- जैनदर्शन पर आधारित ऑडियो-विडियो प्रवचन, लेख, साहित्य आदि।

पाठ्यक्रम परिचय

(Introduction to the Course)

यह पाठ्यक्रम परम पूज्य श्री मनीषसागर जी म.सा. के अथक परिश्रम द्वारा निष्पादित शोध-प्रबन्ध ''जैन आचार मीमांसा में जीवन-प्रबन्धन के तत्त्व'' का सरल एवं संक्षिप्त रूप है। सम्पूर्ण जीवन-प्रबन्धन पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छह-छह माह के दो सर्टिफिकेट कोर्स होंगे।

प्रथम पाठ्यक्रम

सम्पूर्ण जीवन प्रबन्धन (प्रारम्भिक)

Complete Life Management (Basic)

1. जैन दर्शन के मौलिक सिद्धान्त एवं प्रयोग (The Fundamental Principles and Practices of Jainology)
2. जीवन-प्रबन्धन का पथ (The Path of Life Management)
3. समय-प्रबन्धन (Time Management)
4. शिक्षा-प्रबन्धन (Education Management)
5. शरीर-प्रबन्धन (Body Management)
6. अभिव्यक्ति-प्रबन्धन (Communication Management)
7. मन-प्रबन्धन (Mind Management)
8. पर्यावरण-प्रबन्धन (Environment Management)
9. समाज-प्रबन्धन (Social Management)

द्वितीय पाठ्यक्रम

सम्पूर्ण जीवन प्रबन्धन (उच्च)

Complete Life Management (Advance)

1. प्रबन्धन के तत्त्व (The Elements of Management)
2. जैन दर्शन एवं आचार में प्रबन्धन के तत्त्व (The Elements of Management in Jain Philosophy & Ethics)
3. जीवनशैली-प्रबन्धन (Lifestyle Management)
4. अर्थ-प्रबन्धन (Wealth Management)
5. भोगोपभोग-प्रबन्धन (Consumption Management)
6. धार्मिक-व्यवहार-प्रबन्धन (Religious Behaviour Management)
7. आध्यात्मिक-विकास-प्रबन्धन (Spiritual Development Management)
8. मन-प्रबन्धन (Mind Management)
9. सल्लेखना-प्रबन्धन (Sallekhana Management)

उद्देश्य (Objectives)

प.पू. अध्यात्म योगी मुनिराज श्री महेन्द्रसागरजी म.सा. एवं प.पू. युवामनीषी मुनिराज श्री मनीषसागर जी म.सा. से प्रेरित होकर, उनके बताये मार्ग का अनुसरण जनसामान्य कर सकें, इस उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम को प्रारम्भ किया गया है। साथ ही, वर्तमान समाज विशेषकर बाल एवं युवा पीढ़ी जो नैतिक एवं धार्मिक मूल्यों के क्षेत्र में पिछड़ रही है, उन्हें पुनः मूल्य आधारित मार्ग की ओर प्रेरित करना, इस पाठ्यक्रम का मूल ध्येय है।

- जीवन का समग्र, सन्तुलित एवं सुव्यवस्थित विकास करना।
- जीवन निर्वाह के साथ-साथ जीवन निर्माण के योग्य बनाना।
- प्राप्त परिस्थितियों में बेहतर जीवन जीने का सरल मार्ग समझना।
- जीवन को विश्वास के साथ-साथ विज्ञान पर खड़ा करने का प्रयास करना।
- जीवन की ज्वलन्त समस्याओं का सम्यक समाधान जानना।
- सुख, शान्ति एवं आनंद पूर्वक जीने की कला जानना।

मौलिक विशेषताएँ (Salient Features)

1) यह पाठ्यक्रम केवल संकलन नहीं, अपितु प्रबन्धन के सिद्धान्तों की नवीन एवं मौलिक दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुति है।

2) अंतरंग एवं बहिरंग व्यक्तित्व का निर्माण।

3) जीवन के विविध पक्षों का प्रबन्धन।

4) सिर्फ सैद्धान्तिक ही नहीं, प्रायोगिक शिक्षा की भी प्राप्ति।

पाठ्यक्रम की अद्वितीयता
(Uniqueness of the Course)

जिस तरह 'Work from home' की पद्धति है, उसी तरह यह कोर्स 'Study at home' की पद्धति पर आधारित है। सिर्फ 'Study at home' ही नहीं, बल्कि आप घर बैठे Online Exam भी दे सकतें हैं। युवा हो या प्रौढ़, पुरुष हो या महिला... यह कोर्स हर उम्र के लोगों के लिए एक वरदान है।

नियमावली

(Rules & Regulations)

(1) पाठ्यक्रम का नाम (Name of the Course) :

(अ) सम्पूर्ण जीवन प्रबन्धन (प्रारम्भिक)

(ब) सम्पूर्ण जीवन प्रबन्धन (उच्च)।

(2) अवधि (Duration) :

दोनों पाठ्यक्रम 6-6 माह के होंगे तथा अगस्त से जनवरी एवं फरवरी से जुलाई तक साथ-साथ संचालित होंगे।

(3) न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता (Eligibility) :

(अ) प्रारम्भिक पाठ्यक्रम - 10 वीं उत्तीर्ण

(ब) उच्च पाठ्यक्रम - 12 वीं या प्रारम्भिक पाठ्यक्रम उत्तीर्ण।

(4) प्रवेश की अन्तिम तिथि (Last date of Admission) :

31 जुलाई एवं 31 जनवरी ।

(5) शुल्क प्रति पाठ्यक्रम (Fees each Course) :

(अ) प्रवेश शुल्क - 100/- (ब) अध्ययन शुल्क - 1000/-

(स) परीक्षा शुल्क - 250/- (द) प्रेक्टिकल शिविर शुल्क - 500/-

(ध) पुस्तक शुल्क - 400/-

(6) अध्ययन एवं परीक्षा का माध्यम (Medium of Study & Exam) :

हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा।

(7) अध्ययन एवं परीक्षा की पद्धति (Mode of Study & Examination) :

ऑनलाइन।

(8) सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन (Theoretical & Practical Study) :

सिर्फ 4 घण्टे प्रति सप्ताह।

(9) प्रायोगिक शिविर (Internship) :

4 दिवसीय शिविर प्रति सत्र।

(10) सत्रीय कार्य (Assignment Work) :

सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा में ऑनलाईन पूर्ण करने होंगे, जिनके अंक परीक्षाफल में जुडेंगे।

(11) पाठ्य सामग्री (Study Material) :

पुस्तकें केन्द्रों में एवं अन्य सामग्री ऑनलाइन पर उपलब्ध होगी।

(12) परीक्षा माह (Month of Examination) :

जनवरी एवं जुलाई।

(13) प्रश्न पत्र एवं अंक (Total Paper & Marks) :

प्रत्येक पाठ्यक्रम के अन्तर्गत 4 पेपर सहित प्रेक्टिकल्स होंगे एवं कुल 500 अंक होंगे।

(14) पुनः परीक्षा (Re-Examination) :

किसी कारणवश परीक्षा में अनुत्तीर्ण हो जाने पर परीक्षार्थी पुनः उसी परीक्षा को आगे के सत्रों में दे सकते हैं।

(15) प्रमाण पत्र (Certificate) :

उत्तीर्ण विद्यार्थियों को जैन विश्व विद्यालय, डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, बैंगलूर (कर्ना.) एवं विचक्षण जैन विद्यापीठ, रायपुर (छ.ग.) के संयुक्त तत्त्वावधान में प्रमाण-पत्र दिया जावेगा।

(16) पुरस्कार (Awards) :

प्रति कोर्स पूर्ण करने वाली बैच में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार दिये जायेंगे तथा तीन अन्य रैंक होल्डर्स को भी पारितोषिक पुरस्कार दिये जायेंगे।

प्रथम - 5000/- । द्वितीय - 2500/- । तृतीय - 1000/-

(17) समस्या समाधान (Problem Solution) :

कार्यालय सम्बन्धित - निकटतम केन्द्र में संपर्क करें।

अध्ययन सम्बन्धित - प्रति सप्ताह ऑनलाइन पर निश्चित समय पर उपलब्ध होंगे।

केन्द्र (Centres)

दक्षिण क्षेत्र (South Zone) :

CMS जैन डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी लालबाग रोड, विनोभा नगर, बेंगलुर (कर्ना.)

पिन: 560004 । Web : jainuniversity.ac.in

मो. - डॉ तृप्ति जैन (Assistant Professor) : 7987005612 ।

मध्य एवं पूर्व क्षेत्र (Middle & East Zone) :

विचक्षण जैन विद्यापीठ, कैवल्यधाम तीर्थ के पास, रायपुर-दुर्ग रोड, कुम्हारी (छ.ग.)

पिन: 490042 । Web : jainvidyapeeth.org/clm

मो. - राजेश सावनसुखा (Treasurer) : 9827113615 ।

उत्तर एवं पश्चिम क्षेत्र (North & West Zone) :

विचक्षण जैन विद्यापीठ C/O श्री जैन श्वेताम्बर श्रीमाल सभा, जैन दादाबाडी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर (राज.) पिन: 302004 । Web : jainvidyapeeth.org/clm

मो. - डॉ सरोज कोचर (Regional Coordinator) : 8824849427 ।